



भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान  
ICAR-Indian Institute of Soybean Research  
खंडवा रोड, इन्दौर 452001  
Khandwa Road, Indore-452001



फ़ाइल क्रमांक F.No. : टेक 10-6/2022

दिनांक Date: 27.06.2022


YouTube channel: <https://www.youtube.com/channel/UCNdY5AsfPZqsCO8IxxAuSyQ>  
Facebook Page: <https://www.facebook.com/ICAR-Indian-Institute-of-Soybean-Research-Indore-507415769433553>

Twitter: @IisrIcar


Whatsapp & Telegram: IISR Soy Farmers

**सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह / Weekly Advisory for Soybean Farmers**  
**(27 जून-3 जुलाई 2022 / 27<sup>th</sup> June 3<sup>rd</sup> July 2022)**

सोयाबीन की खेती किये जाने वाले देश के कई क्षेत्रों में मानसून पहुँचने के समाचार प्राप्त हुए हैं. यह भी जानकारी है कि इस वर्ष कुछेक जिलों में बोवनी के लिए पर्याप्त वर्षा हो चुकी है एवं किसानों द्वारा सोयाबीन की बोवनी की जा चुकी है जबकि कुछ किसान अभी सोयाबीन की बोवनी की लिए पर्याप्त वर्षा होने पर सोयाबीन की बोवनी की प्रतीक्षा में हैं. ऐसी स्थिति में सोया कृषकों के लिए निम्न सलाह दी जा रही है.

<b>1.</b>	इस सप्ताह का समय सोयाबीन की बोवनी के लिए उपयुक्त है. अतः आपके क्षेत्र में पर्याप्त वर्षा (100 मिमी.) होने की स्थिति में सोयाबीन की बोवनी करें. Farmers are advised to sow their soybean crop this week in case of receipt of minimum 100 mm rainfall in their area.																			
<b>2.</b>	कृषकों को सलाह है कि एक ही किस्म की बोवनी करने के स्थान पर अपने खेत में विभिन्न समयावधि में पकनेवाली 2-3 अनुशंसित किस्मों की खेती को प्राथमिकता दे. Farmers are advised to grow more than 2-3 recommended soybean varieties with varying maturity duration.																			
<b>3.</b>	बीज गुणवत्ता (न्यूनतम 70% अंकुरण) के आधार पर बीज दर का प्रयोग करें. अंकुरण परिक्षण के माध्यम से सोयाबीन की बोवनी हेतु उपलब्ध बीज का अंकुरण न्यूनतम 70 % सुनिश्चित करें. Use seed rate as per the quality/germination (Minimum 70% germination) of the soybean seed	 <p>अंकुरण परीक्षण एवं बीज दर</p> <p>कृषकों को सलाह है कि अपने सोयाबीन के 400 बीज लेकर बोवनी से पहले ही अंकुरण परीक्षण कर न्यूनतम 70 प्रतिशत से अधिक है या नहीं यह सुनिश्चित कर लें।</p> <table border="1"><thead><tr><th>अंकुरित पौधों की संख्या</th><th>अंकुरण प्रतिशत</th><th>बीज दर</th></tr></thead><tbody><tr><td>280</td><td>70%</td><td>70 की.ग्रा./हे.</td></tr><tr><td>260</td><td>65%</td><td>75 की.ग्रा./हे.</td></tr><tr><td>240</td><td>60%</td><td>80 की.ग्रा./हे.</td></tr><tr><td>220</td><td>55%</td><td>90 की.ग्रा./हे.</td></tr><tr><td>200</td><td>50%</td><td>100 की.ग्रा./हे.</td></tr></tbody></table>	अंकुरित पौधों की संख्या	अंकुरण प्रतिशत	बीज दर	280	70%	70 की.ग्रा./हे.	260	65%	75 की.ग्रा./हे.	240	60%	80 की.ग्रा./हे.	220	55%	90 की.ग्रा./हे.	200	50%	100 की.ग्रा./हे.
अंकुरित पौधों की संख्या	अंकुरण प्रतिशत	बीज दर																		
280	70%	70 की.ग्रा./हे.																		
260	65%	75 की.ग्रा./हे.																		
240	60%	80 की.ग्रा./हे.																		
220	55%	90 की.ग्रा./हे.																		
200	50%	100 की.ग्रा./हे.																		
<b>4.</b>	विपरीत मौसम (सूखे कि स्थिति ,अतिवृष्टि आदि) से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए सोयाबीन की बोवनी बी.बी.एफ.पद्धति या रिज एवं फरो पद्धति से करें. It is advised to sow the crop using Broad Bed Furrow (BBF) or Ridge & Furrow methods of sowing in order to save the crop in event of excessive rainfall as well as drought situation.																			

<p>5.</p>	<p>बोवनी के समय बीज को अनुशंसित पूर्वमिश्रित फफूंदनाशक एजोक्सीस्ट्रोबीन + थायोफिनेट मिथाईल+पायरोक्लोस्ट्रोबीन अथवा पेनफ्लूफेज़+ ट्रायफ्लोक्सिस्ट्रोबीन 38 एफ.एस) .1 मि.ली/.कि.ग्रा . बीज (अथवा कार्बोक्सिन 37.5%+थाइरम 37.5% (3 ग्राम/कि.ग्रा .बीज (अथवा थाइरम) 2 ग्राम ( एवं कार्बेन्डाजिम) 1 ग्राम (प्रति कि.ग्रा .बीज से उपचारित कर थोड़ी देर छाया में सुखाएं .तत्पश्चात अनुशंसित कीटनाशक थायामिथोक्सम 30 एफ.एस. 10 मि.ली मि.ली/.कि.ग्रा .बीज (अथवा इमिडाक्लोप्रिड) 1.25 मि.ली/.कि.ग्रा .बीज से भी उपचारित करें.</p> <p>During sowing, the seed should be first treated with recommended premixed fungicides like <b>Azoxystrobin 2.5% + Thiophanate Methyl 11.25% + Thiamethoxam 25% FS @ 10 ml/kg seed</b> OR <b>Penflufen + Trifloxystrobin (1 ml/kg seed)</b> OR <b>Thiram + Carboxin (3 g/kg seed)</b> or <b>Thiram + Carbendazim (2:1) @ 3 g/kg seed</b>. It should be allowed to dry for some time and then treated with insecticide like - <b>Thiamethoxam 30 FS (10 ml/kg seed)</b> or <b>Imidacloprid 48 FS (1.25 ml/kg seed)</b>. Seed treatment with chemicals can be done much before sowing.</p>	
<p>6.</p>	<p>सोयाबीन की बोवनी करते समय बीज को जैविक कल्चर ब्रेडीरायबियम + पी.एस.एम् प्रत्येकी 5 ग्राम/किग्रा .बीज कि दर से करे .कृषकगण रासायनिक फफूंद नाशक के स्थान पर जैविक फफूंद नाशक ट्रायकोडर्मा ( 10ग्राम/किग्रा बीज) का भी उपयोग कर सकते हैं जिसको जैविक कल्चर के साथ मिलकर प्रयोग किया जा सकता हैं.</p> <p><b>Seed Inoculation:</b> During sowing, it is advised to inoculate the seed with <i>Bradyrhizobium japonicum</i> and PSM cultures both @ 5 g/kg seed should be done just before sowing. As an alternative to chemical fungicides, farmers also have an option of using bio-fungicide i.e. <i>Trichoderma viride</i> (10 g/kg seed) which can be mixed along with organic cultures.</p>	<div style="border: 1px solid black; padding: 5px;"> <p style="text-align: center; font-size: small;">सोयाबीन में फफूंदनाशक एवं कीटनाशक से बीजोपचार</p> <p style="text-align: center; font-size: x-small;">एजोक्सीस्ट्रोबिन + थायोफिनेट मिथाईल + पायरोक्लोस्ट्रोबीन (10 मि.ली. कि.ग्रा. बीज)</p> <p style="text-align: center; font-size: x-small;">अथवा</p> <p style="text-align: center; font-size: x-small;">पेनफ्लूफेन + ट्रायफ्लोक्सिस्ट्रोबीन 38 एफ.एस. (1 मि.ली. कि.ग्रा. बीज)</p> <p style="text-align: center; font-size: x-small;">अथवा</p> <p style="text-align: center; font-size: x-small;">कार्बोक्सिन 37.5% + थाइरम 37.5% (3 ग्राम/कि.ग्रा. बीज)</p> <p style="text-align: center; font-size: x-small;">अथवा</p> <p style="text-align: center; font-size: x-small;">थाइरम (2 ग्राम) एवं कार्बोक्सिन (1 ग्राम/कि.ग्रा. बीज) से उपचारित कर थोड़ी देर छाया में सुखाएं.</p> <p style="text-align: center; font-size: x-small;">तत्पश्चात अनुशंसित कीटनाशक थायामिथोक्सम 30 एफ.एस. (10 मि.ली. कि.ग्रा. बीज) अथवा इमिडाक्लोप्रिड (1.25 मि.ली. कि.ग्रा. बीज) से भी उपचारित करें.</p> </div> <div style="border: 1px solid black; padding: 5px; margin-top: 5px;"> <p style="text-align: center; font-size: small;">सोयाबीन में जैविक कल्चर से टीकाकरण</p> <p style="text-align: center; font-size: x-small;">सोयाबीन की बोवनी करते समय बीज को जैविक कल्चर ब्रेडीरायबियम + पी.एस.एम्. (प्रति 5 ग्राम/कि.ग्रा. बीज की दर से) टीकाकरण करें.</p> <p style="text-align: center; font-size: x-small;">कृषकगण रासायनिक फफूंद नाशक के स्थान पर जैविक फफूंद नाशक ट्रायकोडर्मा (10 ग्राम/किग्रा बीज) का भी उपयोग कर सकते हैं.</p> </div>
<p>7.</p>	<p>सोयाबीन फसल के लिए आवश्यक पोषक तत्वों ( 25 60:40:20:कि.ग्रा/हे नाइट्रोजन ,फॉस्फोरस ,पोटाश व सल्फर) की पूर्ति केवल बोवनी के समय करें. इसके लिए इनमे से कोई भी एक उर्वरकों के स्रोत का चयन किया जा सकता हैं.</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. यूरिया 56 कि.ग्रा 375+.किग्रा सुपर फॉस्फेट व 67 किग्रा म्यूरेट ऑफ़ पोटाश अथवा</li> <li>2. डी.ए.पी 125 किग्रा 67 +.किग्रा म्यूरेट ऑफ़ पोटाश +200 किग्रा सल्फर अथवा</li> <li>3. मिश्रित उर्वरक 12:32:16 @ 200 किग्रा + 25 किग्रा/ हे बेन्टोनेट सल्फर</li> </ol> <p>Farmers are also advised to apply the of recommended quantity all the nutrients (25:60:40:20 N:P<sub>2</sub>O<sub>5</sub>:K<sub>2</sub>O:S kg/ha) in balanced way, only at the time of sowing. For this, they may broadcast the recommended quantity of all fertilizers just before the sowing followed by sowing operation. The nutritional dose can be supplied through any one of the fertilizers combinations: (1) 56 kg Urea+375 kg SSP+ 67 kg MoP OR (2) DAP 125 kg + 67 Kg MOP+ 25 kg bentonate Sulphur OR (3) complex fertilizers like 12:32:16 (200 kg/ha).</p>	

8.	<p>कृषकों को सलाह है कि सोयाबीन की बौवनी हेतु अनुशंसित 45 सें.मी. कतारों की दूरी का अनुपालन करें. साथ ही बीज को 2-3 सें. मी. की गहराई पर बौवनी करते हुए पौधे से पौधे की दूरी 5-10 सें.मी. रखें। सोयाबीन का बीज दर 65-70 किग्रा/हे की दर से उपयोग करें.</p> <p><b>Seed rate and Spacings:</b> Farmers are advised to use recommended row spacing of 45 cm and 5-10 cm plant to plant distance at 2-3 cm depth. The seed rate may be followed as 65-70 kg/ha.</p>	
9.	<p>कृषकगण अपनी सुविधा के अनुसार अनुशंसित खरपतवारनाशकों में से अपने क्षेत्र में व्याप्त खरपतवारों के प्रकार देखकर आवश्यकतानुसार निम्न में से किसी एक का प्रयोग खरपतवार नियंत्रण हेतु कर सकते हैं (परिशिष्ट).</p> <p><b>Use of herbicides:</b> Farmers have a choice of selecting any one among various recommended herbicides (Annexure) as per his convenience and the type of weed flora available in his field.</p>	

(परिशिष्ट Annexure) .

क्रं.	खरपतवारनाशक का प्रकार	रासायनिक नाम	मात्रा/हेक्टे.
1	बौवनी पूर्व उपयोगी (पीपीआई)	पेण्डीमिथालीन+इमेझेथापायर	2.5 – 3.0 ली.
2	बौवनी के तुरन्त बाद (पीई)	डायक्लोसुलम 84 डब्ल्यू.डी.जी.	26-30 ग्राम
		सल्फेन्ट्राझोन 48 एस.सी.	0.75 ली.
		सल्फेन्ट्राझोन 48 एस.सी.	0.75ली.
		क्लोमोझोन 50 ई.सी.	1.5 – 2.0 ली.
		पेण्डीमिथालीन 30 ई.सी.	2.5 – 3.3 ली.
		पेण्डीमिथालीन 38.7 सी.एस.	1.5 – 1.75 ली.
		फ्लुमिआक्साझिन 50 एस.सी .	0.25 ली.
		मेट्रीब्युझिन 70 डब्ल्यू.पी .	0.75 – 1.0 किग्रा
		सल्फेन्ट्राझोन+क्लोमोझोन	1.25 ली.
		पायरोक्सासल्फोन 85 डब्ल्यू.जी.	150 ग्रा.
	मेटालोक्लोर 50 ई.सी .	2 ली.	
No	Type of weedicide	Chemical Name	Quantity (per ha)
1	Pre Plant Incorporation	Pendimethalin + Imazethapyr	2.5-3 l
2	Pre-emergence	Diclosulum 84 WDG	26-30 g
		Sulfentrazone 48 SC	750 ml
		Chlomozone50 EC	1.5-2.00 l
		Pendimethalin 30 EC	2.5-3.3 l
		Pendimethalin 38.7 CS	1.5 – 1.75kg
		Flumioxazin 50 SC	250 ml
		Metribuzin 70WP	0.75- 1 kg
		Sulfentrazone + Clomazone	1250 ml
		Pyroxasulfone 85 WG	150 g
	Metolachlor 50 EC	20. l	